राम रामेति रामेति रमे रामे मनोरमे।
सहस नाम ततुल्य राम नाम वरानने।

प्रभु सेवा परिवार
PSP
Regn. No. 1537/2021

स्मारिका
2021-22

प्रभु सेवा परिवार

(इंडिया ट्रस्ट एक्ट, 1882 के तहत निगमित एक धार्मिक ट्रस्ट
पंजिकरण संख्या 1537/2021)

+91- 9839639952
+91- 8808836666

प्लॉट नंबर 30 वरूण
एन्क्लेव, ग्रेटर नोएडा

prabhusewaparivar@gmail,com

पूज्य संत श्री रमेश भाई शुक्ल जी

अतुलितबलधामं हेमशैलाभदेहं
दनुजवनकृशानुं ज्ञानिनामग्रगण्यम्।
सकलगुणनिधानं वानराणामधीशं
रघुपतिप्रियभक्तं वातजातं नमामि॥

तात कबहुँ मोहि जानि अनाथा। करिहहिं कृपा भानुकुल नाथा॥

प्रभु सेवा परिवार

PSP

Regn. No. 1537/2021

स्मारिका : 2021-22

संस्थापक:
पूज्य संत श्री रमेश भाई शुक्ल जी

अध्यक्ष:
श्री सतीश श्रीवास्तव

संपादक:
श्रीमती सो

प्रकाशक
प्रभु सेवा परिवार (पंजी.)
प्लाट संख्या-30, वरूण इंक्लेव
ग्रेटर नोयडा-201310
फोन-91- 9839639952,
+91- 8808836666
ई-मेल: prabhusewaparivar@gmail.com

मुद्रक:
गोपेश प्रिन्ट ओ पैक प्रा. लि.
D-11/21, साईट - 5, UPSIDC
इन्डस्ट्रियल एरिया, कासना, ग्रेटर नोएडा
दूरभाष: 9654999471, 9939721563
ई-मेल: gopeshpp@gmail.com

स्मारिका: 2021-22 में प्रकाशित सामग्री में व्यक्त विचार एवं दृष्टिकोण, सम्बन्धित लेखकों/सामग्री प्रदाताओं के हैं। सम्पादक अथवा प्रकाशक या मुद्रक का उनसे सहमत होना अनिवार्य नहीं है। यह पत्रिका केवल निजी वितरण के लिए है।

अनुक्रमणिका

1. प्रभु सेवा परिवार– एक परिचय 2
2. पूज्य संत श्री रमेश भाई शुक्ल जी (संस्थापक) एक परिचय........ 3
3. पूज्य संत श्री रमेश भाई शुक्ल जी (संस्थापक)–सेवा एवं कार्य...... 4
4. श्री सतीश श्रीवास्तव (अध्यक्ष)– एक परिचय 5
5. संस्थापक का संदेश 6
6. अध्यक्ष का संदेश 7
7. शुभकामना संदेश –श्री रमेश कुमार दीक्षित 8
8. पूज्य संत श्री रमेश भाई शुक्ल जी (लेख)–श्री विष्णु शंकर दूबे ... 9
9. प्रभु सेवा परिवार (लेख)–श्री विष्णु शंकर दूबे 9
10. गुरूमंत्र (लेख) – श्री अरूण कुमार शुक्ला 9
11. शुभकामना संदेश –सुश्री शिप्रा दीक्षित 10
12. हिन्दू (लेख) – श्री बलदाऊ जी श्रीवास्तव 11
13. आयोजित धार्मिक यात्रायें ;गत वर्षद्ध 12–13
14. आगामी यात्रायें 14
15 हमारे सदस्यगण 15
16. बैलेंस शीट – प्रभु सेवा परिवार 16

प्रभु सेवा परिवार - एक परिचय

प्रभु सेवा परिवार एक धार्मिक और धर्मार्थ ट्रस्ट है जो इंडिया ट्रस्ट एक्ट 1882 के तहत पंजीकृत है और जो 15 सितंबर 2021 को स्थापित किया गया है और जिसका पंजीकरण संख्या 1537/2021 है।

ट्रस्ट आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 12ए और 80जी के तहत भी पंजीकृत है।

ट्रस्ट के मुख्य उद्धेश्य इस प्रकार हैं:

- भारत के किसी भी हिस्से में जनता के लाभ के लिए उपरोक्त उद्धेश्य के लिए कथा, भागवत और इस तरह के अन्य कृत्यों के रूप में विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन करना।
- समान उद्धेश्य वाले किसी अन्य ट्रस्ट या धार्मिक निकाय को वित्तीय सहायता प्रदान करना।
- गोशाला की स्थापना और रखरखाव या ऐसी गतिविधियों को करने वाले अन्य संस्थानों को धनराशि उपलब्ध कराना।
- अन्य ट्रस्ट या कॉरपोरेट द्वारा संचालित विभिन्न धार्मिक और धर्मार्थ कार्यक्रमों में योगदान प्राप्त करना और देना, जिसका उद्धेश्य ट्रस्ट के समान उद्धेश्य हैं।
- जनता के बीच ट्रस्ट द्वारा आयोजित धर्मार्थ कार्यक्रमों को बढ़ावा देना।
- धार्मिक कार्यक्रम आयोजित करने और गरीबों को सीधे भेजन कराने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान कराना और अन्य संस्थानों के माध्यम से या तो भंडारों या अन्य तरीकों से।
- किसी भी मंदिर और अन्य पूजा स्थलों और धार्मिक संस्थानों को दान देना।
- भारत में किसी स्थान पर जनता के लाभ के लिए वृद्धाश्रम, अनाथालय, निःशुल्क औषधालयए गरीब भोजन के लिए केंद्रों का निर्माण एवं संचालन।
- ट्रस्ट लाभ कमाने के इरादे से कोई भी गतिविधि नहीं करेगा और केवल सेवा के उद्धेश्य से प्रर्दशन करेगा।
- उपरोक्त उद्धेश्य के लिए किसी अन्य ट्रस्ट या संस्थानों से योगदान प्राप्त करना।

प्रभु सेवा परिवार यह मानता है कि मानव जीवन का एक अध्यात्मिक उद्धेश्य है— हम सभी में निवास करने वाले ईश्वर की दिव्यता का अनुभव करना। यह इस अनुभव के माध्यम से है कि केवल एक ही ईश्वर है और हम सभी उसके प्रेम की अभिव्यक्ति हैं। व्यक्ति अपने भीतर ईश्वर की उपस्थिति को महसूस कर सकता है। परिवार, दोस्तों और समाज के प्रति अपने जिम्मेदारियों को निभाते हुए अध्यात्मिक विकास का सर्मथन करने वाले जीवन के तरीके के लिए खुद को प्रतिबद्ध करें।

Rgtd No.: 1537/2021

!! ॐ नमो भगवते वासुदेवाय!!

Regn. No. 1537/2021

प्रभु सेवा परिवार

पूज्य संत श्री रमेश भाई शुक्ल जी
संस्थपकः प्रभु सेवा परिवार

हमारे प्रकल्प

- ✶ तीर्थों में कथाऐं एवं भण्डारा
- ✶ गौ सेवा ✶ संत सेवा
- ✶ गरीब विधार्थीयों को सहयोग
- ✶ गरीब कन्याओं की शादी में सहयोग

सभी प्रभु भक्तों से अनुरोध है कि इन प्रकल्पों में तन मन धन से सहयोग कर पुन्य के भागी बने

अध्यक्ष: सतीश श्रीवास्तव
8808836666

PRABHU SEWA PARIVAR
Bank: CANARA BANK
Branch: 3699 - Ranoli, Latifpur, G.B. Nagar (UP)
Account No.: 110014441034
IFSC: CNRB0003699

जो भी व्यक्ति प्रभु सेवा परिवार में दान देना चाहते हैं तो दान राशि कर मुक्त है (80G की छूट)

पूज्य संत श्री रमेश भाई शुक्ल- एक परिचय

Regn. No. 1537/2021

परम पूज्य सन्त श्री रमेश भाई शुक्ल जी का जन्म ज्येष्ठ मास की कृष्ण चतुर्थी 1973 में शारदा नदी के तट पर स्थित पचपेड़ी ग्राम जिला लखीमपुर खीरी उत्तर प्रदेश में हुआ है। गुरूजी के माताजी श्रीमती सुधालता सात्विक गृहणी हैं और पिताजी श्री ऋषि नाथ प्रसाद शुक्ल जो कि अध्यापक रहे और साठ साल की उम्र तक अध्यापक का कार्य किया। वे बहुत ही भगवत प्रेमी व्यक्तित्व के धनी हैं।

गुरूजी की बचपन से रूचि हिन्दू शास्त्र के बारे में जानने और शोध करने की थी, उन्होंने हमेशा अपना समय उसी लिए समर्पित किया। वर्ष 1996 में स्नातकोत्तर की शिक्षा पूरी करने के बाद शिशु मन्दिर में आचार्य के पद पर कार्य कियें। उसी वर्ष गुरुजी का विवाह श्रीमती ज्योत्सना देवी के साथ हुआ जो कि एक आदर्श धर्मपत्नी एवं कुशल गृहणी के रूप में साथ निभा रही है। गुरूजी के दो सन्तान–एक पुत्री एवं एक पुत्र हैं जो अभी शिक्षण कार्य कर रहे हैं।

लगभग तीन साल शिक्षण कार्य करने के बाद वर्ष 2000 में अन्ततः उन्हें भगवान की कृपा प्राप्त हुई और गुरूजी ने प्रभु की सेवा रामचरित मानस, भागवत कथा, शिव कथा एवं हनुमान कथा का आध्यात्मिक अध्ययन करके, कथा के रूप में आध्यात्मिक ज्ञान का प्रसार करने के उद्देश्य से आगे बढ़े तब से निरन्तर प्रभु की सेवा में लगे हैं। उनकी भगवान की कथाओं के माध्यम से समाज में हिन्दू संस्कृति के मूल्यों का प्रसार करना समाज में फैली कुरीतियों को खतम करने का प्रयास कर रहे हैं।

गुरूजी ने शास्त्रों का अध्ययन किया, इसके अलावा उन्होंने सभी हिन्दू शास्त्रों के साथ अन्य धर्मों के बारे में भी अध्ययन किया। यूट्यूब, फेसबुक और टी.वी. चैनलों और अन्य सोशल मीडिया के माध्यमों से वह लोगों के सामने श्रीराम कथा, श्रीमद्भागवत कथा, हनुमान कथा एवं शिव कथा का बहुत ही सरल शब्दावली में आध्यात्मिक एवं तार्किक व्याख्या करके लोगों में भगवत भक्ति का प्रचार करते हैं और काफी लोग उनका अनुसरण कर रहे हैं।

गुरूजी का निवास स्थान और सम्पर्क सूत्र इस प्रकार है:–

प्रभु सेवा धाम, 7/633 A, विकास नगर, लखनऊ। मोबाइल: 9839639952

पूज्य संत श्री रमेश भाई शुक्ल जी - सेवा और कार्य

गुरूजी के कार्यों की बात करें तो वह एक अच्छे कथा वाचक हैं और अपनी कथा के माध्यम से लोगों को अच्छे रास्ते पर चलने के लिए प्रेरित करते हैं ताकि देश एवं समाज का अच्छा विकास हो, लोगों के सोच में भगवान की भक्ति हो। अपनी कथा में वह हमेशा लोगों को भक्ति के मार्ग पर चलने की सलाह देते हैं ताकि उन्हें एक अच्छा जीवन जीने का अवसर मिल सके।

गुरूजी ने लोगों के अन्दर प्रभु की भक्ति का संचार होता रहे। इसी के लिए उन्होंने प्रभु सेवा परिवार ट्रस्ट का गठन 15/09/2021 को किया। गुरूजी प्रभुसेवा परिवार के संस्थापक हैं और इस ट्रस्ट के माध्यम से भारत में या भारत के बाहर पवित्र स्थानों में विभिन्न कथाओं का संचालन करना है। गुरूजी गरीब असहाय एवं जरूरतमंदों का सहारा भी बन रहे हैं और ट्रस्ट के माध्यम से उन्होंने जरूरतमंदों की सहायता के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया है।

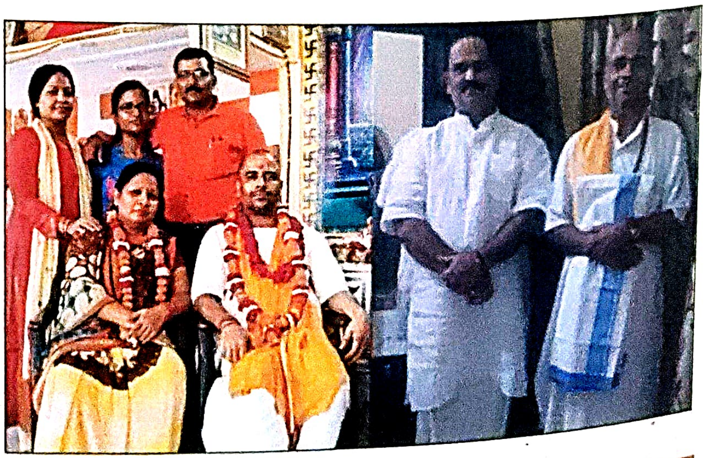

श्री सतीश श्रीवास्तव- एक परिचय

श्री सतीश श्रीवास्तव, पुत्र स्व० श्री जवाहर लाल श्रीवास्तव, का जन्म 15 मई 1966 को उत्तर प्रदेश के अयोध्या के समीप वेलवाजोर गाँव में हुआ था। यह गाँव पूर्वांचल क्षेत्र में बस्ती जिला का एक क्षेत्र–खण्ड है। इनकी प्रारम्भिक व स्कूली शिक्षा स्थानीय स्तर पर हुई। बचपन से ही कुशाग्र बुद्धि से सम्पन्न रहे और इन्होने क्रमशः इंजीनियरींग में स्नातक की डिग्री प्राप्त की। आत्मविश्वास से भरे हुए युवा सतीश जी ने पारंपरिक नौकरी की जगह अपना चुनौतीपूर्ण व्यवसाय शुरू करने का निर्णय लिया। उन्होनें भारत सरकार के महत्वपूर्ण 'रक्षा विभाग' से संबन्धित एक व्यवसाय की स्थापना की और उसका सफलतापूर्वक संचालन किया। अपने व्यवसाय के उत्पाद उन्होंने भारत सरकार के लिए न केवल देशव्यापी स्तर पर उपलब्ध कराए बल्कि उसके रख–रखाव का आवश्यक प्रबंघन भी किया।

धार्मिक विचारों वाले एक कुलीन कायस्थ परिवार में जन्में श्री सतीश जी का बचपन धार्मिक एवं मानवीय संस्कारों से परिपूर्ण रहा। भगवान श्रीराम की नगरी अयोध्या की निकटता उनके परिवार की धार्मिक एवं श्रीराम भक्ति की भावनाओं को सदैव प्रबल बनाए रखा। उनके परिवार में नियमपूर्वक पूजा–पाठ, कीर्तन, रामायण – महाभारत कथा आदि का आयोजन नियमित रूप से होता था। पर्व–त्योहार बड़े धूम–धाम और व्यापक रूप से मनाए जाते थे। ऐसे धार्मिक वातावरण के प्रभाव के कारण उनके मन में बचपन से ही धर्म, अध्यात्म एवं मानवीय मूल्यों के संस्कार गहन होते चले गए। इन्हीं संस्कारों ने उनके अन्दर ईश्वर के प्रति अटूट आस्था का निर्माण एवं सेवा भावना का संचार किया। ईश्वरीय भक्ति, सनातन धर्म में गहन रूचि तथा निःस्वार्थ सेवा भावना उनके व्यक्तित्व का अभिन्न अंग बन चुके हैं।

श्री सतीश जी अपने संघर्ष भरे जीवन में कभी भी भक्ति मार्ग से विचलित नहीं हुये। उन्होंने अपने पारिवारिक दायित्व का निवर्हन करते हुये अपने गृहस्थ आश्रम की जिम्मेदारी पूरी की; देश के महत्वपूर्ण तीर्थ स्थलों के दर्शन किए। प्रभु के हर रूप में ईश्वरीय शक्ति को महसूस करने का प्रयत्न किया। भक्ति–भाव एवं ईश्वर प्राप्ति की लालसा इनमें सदैव प्रबल रही। संभवतः इन्हीं कारणोंबस चार वर्ष पूर्व जब वे पूज्य संत श्री रमेश भाई शुक्ल जी के संपर्क में आए तो उन्हें यह महसूस हुआ कि उनके वह 'गुरूदेव' उन्हें मिल गए जो उनके 'ईष्टदेव' की ओर का मार्ग प्रशस्त कर सकते हैं। ये गुरूजी के विचारों से अत्यन्त प्रभावित रहे हैं, और उनके कार्यो के प्रति पूर्णतया समर्पित हैं। प्रभु सेवा परिवार की स्थापना एवं इसके संचालन में श्री सतीश जी की अत्यन्त महत्वपूर्ण भूमिका रही है। प्रभु सेवा परिवार के संचालन एवं इसके उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए श्री सतीश जी का समर्पण अतुलनीय है।

संस्थापक का संदेश

पूज्य संत श्री रमेश भाई शुक्ल जी
संस्थापक
प्रभु सेवा परिवार

आज हमारे प्रभु सेवा परिवार का प्रथम स्थापना दिवस है। 15 सितम्बर 2021 को स्थापित अपना परिवार आज एक वर्ष का हो गया।

पविार के सभी सदस्यों को बहुत सारी शुभकामनायें।

श्री सतीश श्रीवास्तव जी के अध्यक्षता में परिवार आगे बढ़ रहा है। सतीश भैया दिन रात पविार के उन्नति के लिए चिन्तन किया करते हैं। अपने और प्रभु सेवा परिवार की ओर से सतीश भैया के लिए खूब आशीर्वाद।

एक बार पुनः पूरे प्रभु सेवा परिवार की ओर से आप सभी के परिवार के लिए शुभकामनाएं। इस शुभअवसर पर प्रभु सेवा परिवार पर समर्पित एक गीत की रचना किया है।

हमारा प्रभु सेवा परिवार।
प्रभु के भक्तों का परिवार।।

राम कथा भागवत कराता,
सबको तीरथ धाम घुमाता।
कथा सुनें सब तीरथ करके,
हो जावें भवपार।
हमारा प्रभु सेवा परिवार।।

निर्धन दीन जनों की सेवा,
गो सेवा और प्रभु की सेवा।
सेवा जिसका मूल मंत्र है,
करता पर उपकार।
हमारा प्रभु सेवा परिवार।।

एक बनें हम, नेक बनें हम,
मानवता के काम करें हम।
यही हमारा सत्प्रयास है,
श्रेष्ठ बने संसार।
हमारा प्रभु सेवा परिवार।।

अध्यक्ष का संदेश

Regn. No. 1537/2021

श्री सतीश श्रीवास्तव
अध्यक्ष
प्रभु सेवा परिवार

नाथ एक वर माँगऊ, राम कृपा करि देहु।
जनम–जनम प्रभु पद कमल कबहुँ घटै जनि नेहु।।

अरथ न धरम न काम रूचि गति न चहहु निरबान।
जनम – जनम रति राम पद, यह वरदान न आन।।

मो सम दीन न दीन हित, तुम्ह समान रघुबीर।
अस विचार रघुवंश मनि, हरहु बिषम भवभीर।।

प्रभु सेवा परिवार के प्रथम स्थापना दिवस पर, मैं पूरे परिवार की तरफ से सभी को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। वैसे तो आप सभी, जो गुरू जी के शिष्य/अनुयायी हैं, अपने प्रभु सेवा परिवार के सदस्य हैं, फिर भी मैं आप सभी से अनुरोध करता हूं कि आप औपचारिक रूप से प्रभु सेवा परिवार का आजीवन सदस्यता लें और अधिक से अधिक लोगों को सदस्य बनाने का प्रयास करें। आपकी औपचारिक सदस्यता, आपका प्रयास और सहयोग प्रभु सेवा परिवार को सुदृढ़ बनाने में अहम् भूमिका निभाएगी। आजीवन सदस्यता प्राप्त करने की प्रकिया अतयन्त सरल है। इसका विवरण नीचे दिया गया है।

बड़े हर्ष की बात है कि जिस उद्धेश्य से गुरू जी ने इस संस्था की स्थापना किया था उसमें बहुत ही अच्छा कार्य हुआ है और आप सभी के सहयोग से यह कार्य निरन्तर चलता रहेगा। हमारा उद्धेश्य है कि गुरू जी द्वारा संचालित 'प्रभु सेवा परिवार' केवल भारत में ही नहीं बल्कि यह संस्था पूरे विश्व में अध्यात्म एवं जन कल्याण की योजनाएं चलाए।

अन्त में मैं गुरू जी के चरणो में बंदना करते हुए आप सभी भाईयों और बहनो को अभिनन्दन एवं बहुत बहुत शुभकामनाएं देता हूं।

धन्यवाद।

आजीवन सदस्यता प्राप्त करने के लिए सहयोग राशि मात्र 2100/– रूपए है। आप यह सहयोग राशि नीचे दिए हमारे बैंक एकाउंट में NEFT/UPI/Net Banking आदि के द्वारा जमा कर सकते हैं। एकाउँट का QR Code भी नीचे दिया गया है। सहयोग राशि जमा करने के बाद जमा रशीद, पासपोर्ट साइज फोटो और एक प्रमाणिक पहचान पत्र की कॉपी व्हाट्सएप या ई–मेल के द्वारा हमें भेज दें।

PRABHU SEWA PARIVAR
Bank: CANARA BANK
Branch: 3699 - Ranoli, Latifpur, G.B. Nagar (UP)
Account No.: 110014441034
IFSC: CNRB0003699

WhatsAp No:
8808836666

Email:
prabhusewaparivar@gmail.com

QR Code
Prabhu Sewa Parivar

शुभकामना संदेश

प्रभु सेवा परिवार
Regn. No. 1537/2021

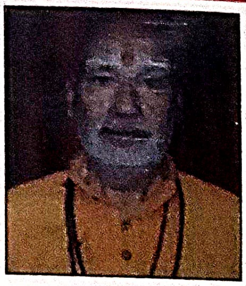

श्री रमेश कुमार दीक्षित

मुझे अत्यन्त प्रसन्नता हो रही है कि प्रभु सेवा परिवार की इस वर्ष वार्षिकी प्रकाशित हो रही है। वास्तव में प्रभु सेवा परिवार संस्था नहीं है बल्कि स्वयं में सन्तों का समूह है या ये कहें कि यह सन्त समाज है। इस परिवार/समाज से जुड़ने पर आनन्द की प्राप्ति और मंगल की अनुभूति होती है। जैसा कि रामचरित मानस में कहा गया है:-

''मुद मंगल मय सन्त समाजू, जिमि जग जंगम तीरथ राजू''

प्रभु सेवा परिवार की एक और विशेषता है कि:-

''सोइ जानइ जेहि देहू जनाई, जानत तुमहि तुमहि हो जाई''

पूज्य गुरू जी (संस्थापक, प्रभु सेवा परिवार) अपने नाम (श्री रमेश भाई शुक्ल जी) के अनुरूप स्वयं विष्णु स्वरूप हैं तथा श्री सतीश जी (अध्यक्ष, प्रभु सेवा परिवार), जो शिवस्वरूप हैं, क्योंकि सतीश नाम शिव का ही पर्याय है और शिव का एक अर्थ विश्वास भी होता है, दोनों की छत्रछाया में प्रभु सेवा परिवार का सन्त समूह श्रेष्ठता प्राप्त कर रहा है तथा अध्यात्म की ओर निरन्तर अग्रसर हो रहा है अर्थात उर्ध्वगामी बन रहा है। यह कहना अतिश्योक्ति न होगी कि जब विष्णु स्वरूप संस्थापक पूज्य गुरू जी तथा शिव स्वरूप (अध्यक्ष, श्री सतीश जी का सानिध्य हम सभी को मिलता है तो ब्रह्म की प्राप्ति में कोई संदेह नहीं रह जाता। यही मानव जीवन का परम लक्ष्य है।

इस जगत में मनुष्य ही एक ऐसा प्राणी है जिसे प्रकृति से श्रेष्ठता का दर्जा प्राप्त है। इसका कारण अन्य जीवो की अपेक्षा इसमें बुद्धि तत्व और हृदय तत्व की प्रधानता है। बुद्धि तत्व की प्रधानता सांसारिक विषयों की ओर अग्रसर करती है। रामचरित मानस के अनुसारः-

''पाप करत निसि वासर जाहि।
नहि कटि पट नहि पेट अघाहीं।।''

जबकि हृदय तत्व की प्रधानता से प्रेम, त्याग, दया, करूणा, ममता, परोपकार आदि भावनायें प्रबल होती है। प्रभु सेवा परिवार से जुड़ने के पश्चात् हृदय तत्व की प्रधानता का प्रादुर्भाव हुआ है। यह सन्त मिलन से ही सम्भव है। रामचरित मानस में कहा गया है:-

''नहि दरिद्र सम दुख जगमाही।
सन्त मिलन सम सुख जग नाहीं।।

दरिद्रता का अर्थ गरीबी या धनहीनता नहीं है। पूज्य गुरू जी के अनुसार ज्ञान की दरिद्रता, भाव की दरिद्रता, वाणी की दरिद्रता, विचार की दरिद्रता, बुद्धि की दरिद्रता, चिन्ता की दरिद्रता, मोह की दरिद्रता, होती है।

जीवन में भौतिक आवश्यकता की पूर्ति और उसके निमित होने वाली परीक्षा उत्तीर्ण करने की दृष्टि से शिक्षा देनेवाला शिक्षक होता है, किन्तु आदर्श शिक्षक यानि गुरू वही होता है जो पल भर के लिए भी शिष्य उनके सानिध्य में आये तो स्वयं के अपने सदाचरण का प्रत्ययरोपण अपने शिष्य में कर दे। यह मेरा अपना अनुभव है कि प्रभु सेवा परिवार से जुड़ने के पश्चात् मुझे अध्यात्म की ओर अग्रसर होने की प्रेरणा तथा ईश्वर की प्राप्ति के लिए उर्ध्वगामी गति प्राप्त हुई है, जो पूज्य गुरू जी से ही सम्भव है। पूज्य गुरू जी से ही कामदगिरी दर्शन, चारो धाम (उत्तराखण्ड) यात्रा तथा माँ पूर्णागिरी के दर्शन का अवसर प्राप्त हुआ।

पुनः मैं पूज्य गुरू जी (संस्थापक) तथा श्री सतीश जी (अध्यक्ष) का हृदय से आभार प्रकट करता हूं, जिनका सानिध्य एवं मार्गदर्शन पाकर मैं अत्यन्त कृतज्ञ एवं अभिभूत हूं।

अत्यन्त शुभकामनाओं सहित,

जय सियाराम

Regn. No. 1537/2021

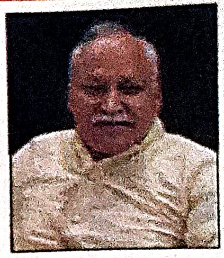

श्री विष्णु शंकर दूबे

पूज्य संत श्री रमेश भाई शुक्ल

रमेश: जो रमते हैं ईश्वर में वे हैं रमेश।
वो कोई कलाकार नहीं हैं कथाकार के,
बल्कि एक वहाव एवं धारा हैं संस्कार के।।
वो कोई भ्रामकता नहीं हैं कथा की।
बल्कि दवाई हैं विश्राम और व्यथा की।।

गुरू जी के बारे में कुछ कहना बहुत ही मुश्किल है (किसी संत के बारे में कुछ व्यक्त करना)। भगवान की प्रेरणा से कुछ कहने का साहस एवं प्रयत्न करता हूं।

- गुरू जी बहुत ही सरल इन्सान हैं।
- उन्हें किसी प्रकार के प्रपन्च से सख्त नफरत है।
- पारदर्शिता के साथ स्पष्ट वक्ता हैं।
- उनका अपना कोई अहम नहीं है।
- आकाश में उड़ने की क्षमता होते हुए भी जमीन पर चलते हैं और चलाने की क्षमता रखते हैं।

प्रभु सेवा परिवार

PSP – राम कथा के माध्यम से सहज मिलना और मिलते रहना।

PSP – राम कथा के सूत्रों से मन की आचरण में स्थित राक्षसी प्रवृति को हटाना।

PSP – सेवा ही परम घर्म है और हमारा यही उद्धेश्य है।

PSP – भाईचारा विकास की संस्था है।

PSP – जाति और परिवार से ऊपर उठाकर मनुष्य बनने में प्रयत्नशील है।

PSP – आज का मनुष्य और समाज के दुर्गुणों को हटाने के लिए प्रयत्नशील है।

PSP – गर्त में जाते हुए समाज के लिए दवा एवं दुआ है।

PSP – भौतिक सुख के आगे अध्यात्मिक सुख की ओर ले जाने का मार्ग है।

गुरू मंत्र

श्री अरूण कुमार शुक्ला

विधिवत नित्य गुरुमंत्र का जप करने वाले तथा मन, वाणी, कर्म से पवित्र शिष्य के शरीर में रोग और बुढ़ापा हटाने वाले रसायन स्वतः उत्पन्न हाने लगते हैं। नियमित अभ्यास से इच्छाओं का दमन होता है, मन शान्त होता है एवं उच्चतर चेतना का द्वार उन्मोचित होता है। गुरुमंत्र का जाप करने से मन नियंत्रित ही नहीं शुद्ध भी होता है। हो सकता है जाप की प्ररम्भिक अवस्था में जप मधुर न लगे लेकिन हम विवेक, वैराग्य और दीनता का थोड़ा अभ्यास करें तो धीरे–धीरे हमे एक समरसता और मुक्ति का भाव प्राप्त होने लगेगा। और ईश्वर के सर्वत्र होने की एक सुखद अनूभूति महसूस होने लगेगी।

अपने गुरूदेव को पूरे हृदय से, पूरी आत्मा से, पूरे मन से अपनी पूरी सामर्थ्य से प्रेम करो। तभी गुरुमंत्र के जप में प्रतिष्ठित होने पर हम गुरुप्रेम के माधुर्य में मस्त रहेंगे, और यह प्रेम हमारे दैनिक जीवन के क्रियाकलापों में भी प्रस्फुटित होने लगेगा।

इस परिपेक्ष्य में महाभारत में नारद जी कहते हैं कि हे कृष्ण! जो गुरूदेव को अपने कर्मो से प्रसन्न रखते हैं, स्वाध्याय के लिये यत्नशील हैं, अपने व्रत/नियमों में मजबूत हैं। गुरूजनों की सेवा करते हैं, और किसी में भी दोष नहीं देखते हैं, उन्हें मैं प्रणाम करता हूँ।

"गुर्रु ब्रम्हा, गुर्रु विष्णुः, गुर्रु देवो महेश्वरहः।
गुरू साक्षात् परब्रम्ह, तस्मै श्री गुरुवे नमः।।"

गुरूदेव के चरणों में शत–शत नमन!

शुभकामना संदेश

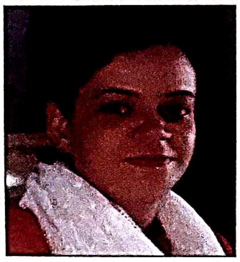

सुश्री शिप्रा दीक्षित

प्रभु सेवा परिवार अपने नाम के अनुरूप है, क्योंकि यह एक संस्था से कहीं अधिक एक परिवार ही है। इस परिवार से जुड़े सभी व्यक्ति गुरूजी के मार्गदर्शन एवं सानिध्य में अध्यात्म के मार्ग पर चलते हुए परमार्थ में तत्पर हैं। श्री गुरू जी के विषय में कहने के लिए मेरे शब्दकोष में न ही उतने शब्द हैं और न ही मेरा ज्ञान उतना परिपक्व है जो उनके व्यक्तित्व को शब्दों में बाँध सकूँ क्योंकि गुरू जी स्वयं कहते हैं कि गुरू कोई व्यक्ति नहीं है गुरू तत्व है। कबीर दास जी ने कहा है:–

''सब धरती कागद करूँ लेखनी सब वनराय,
सात समुंद्र की मसी करूँ गुरू गुण लिखा न जाए।''

फिर भी यह लिखना आवश्यक है कि गुरू जी अपनी कथाओं में अत्यन्त गूढ़ विषयों को जिस प्रकार सरलता से समझा देते हैं यही उनके व्यक्तित्व का प्रमाण है। बहुत ही सरल व बहुत ही सहज हैं। सागर की भांति ज्ञान अपने अन्दर समेटे हुए हैं पर कोई अहंकार नहीं है। उनकी सकारात्मक उर्जा का अनुभव आपको तब होता है जब उनके सानिध्य मात्र से कई अध्यात्मिक शंकाओं और प्रश्नो का समाधान स्वतः ही हो जाता है और आश्चर्य भी होता है कि कैसे हमारे उन प्रश्नो के उत्तर मिल गए जो हमने पूछे ही नहीं। अदभुत है यह प्रभु सेवा परिवार, अतुलनीय है गुरू जी।

प्रभु सेवा परिवार के अध्यक्ष श्री सतीश श्रीवास्तव जी के विषय में मैं सहर्ष ही लिख सकती हूँ कि

''राम नाम के हीरे मोती मैं बिखराउँ गली गली,
ले लो कोई राम का प्यारा शोर मचाउँ गली गली''

यही उनके जीवन का सिद्धांत है। निःस्वार्थ भाव से परहित के लिए तन मन धन से प्रभु नाम का प्रसार ही उनके जीवन का एक मात्र उद्देश्य प्रतीत होता है। अत्यन्त सहज, शान्त अध्यात्मिक व्यक्तित्व हैं। श्री सतीश जी बहुत ही कर्मठता व परिश्रम के साथ इस पुनीत कार्य में संलग्न हैं।

प्रभु सेवा परिवार की स्थापना की वषगाँठ पर प्रभु सेवा परिवार व आप सभी भक्तों को बहुत बहुत शुभकामनाएं। ईश्वर से प्रार्थना है कि हे प्रभु इस पुनीत कार्य से जुड़े भक्तों पर अपनी कृपा बनाए रखें व उत्तरोत्तर आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त करें, परिवार के संकल्प को पूरा करने हेतु सदैव सहयोग, सानिध्य एवं शुभाशीष प्रदान करें।

पुनः आप सभी को अनेकानेक अशेष, अकण्ठ एवं असीमित शुभकामनाएं व बधाई।

जय सियाराम

आजीवन सदस्यता प्राप्त करने के लिए सहयोग राशि मात्र 2100/– रूपए है। आप यह सहयोग राशि नीचे दिए हमारे बैंक एकाउंट में NEFT/UPI/Net Banking आदि के द्वारा जमा कर सकते हैं। एकाउँट का QR Code भी नीचे दिया गया है। सहयोग राशि जमा करने के बाद जमा रशीद, पासपोर्ट साइज फोटो और एक प्रमाणिक पहचान पत्र की कॉपी व्हाट्सएप या ई–मेल के द्वारा हमें भेज दें।

PRABHU SEWA PARIVAR
Bank: CANARA BANK
Branch: 3699 - Ranoli, Latifpur,
G.B. Nagar (UP)
Account No.: 110014441034
IFSC: CNRB0003699

WhatsAp No:
8808836666

Email:
prabhusewaparivar@gmail.com

QR Code
Prabhu Sewa Parivar

हिन्दू

श्री बलदाऊ जी श्रीवास्तव

हिन्दू शब्द करोड़ों वर्ष प्राचीन संस्कृत शब्द है। अगर इस शब्द का विच्छेद करें तो पायेंगे:-
हीन + दू = हीन भावना + से दूर अर्थात जो हीन भावना से दूर है वह हिन्दू है।

हिमालय से इन्दू सरोवर तक, देव निर्मित देश को हिन्दुस्तान कहते हैं। जो अज्ञानता का त्याग करे वह हिन्दू है। जो अपने तप से शत्रुओं का, दुष्टों का और पाप का नाश कर देता है वही हिन्दू है। वह जो ओंकार को ईश्वरीय धुन माने, कर्मो पर विश्वास करे, गौ पालक रहे तथा बुराइयों को दूर रखे वो हिन्दू है।

मित्रों सनातन का मतलब पुरातन से है। हिन्दू विचारधारा ही पुरातन है और यही सनातन है।

प्रभु सेवा परिवार के वार्षिक स्मारिका निकलने की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हैं। अध्यक्ष श्री सतीश श्रीवास्तव इसके लिए अत्यन्त बधाई के पात्र हैं। श्रद्धेय गुरू जी की इनपर सदैव कृपा बरसती रहती है। हमारे गुरूदेव की सरलता एवं तात्विक विवेचन को हृदयांगम कर हम सब साधना के क्षेत्र में निर्मल मन होने के लिए प्रयत्नशील हैं। निश्चय ही गुरू कृपा प्राप्त होगी, और हम प्रभु को पाने में भी।

ॐ नमो भगवते गुरूदेवाय।
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय।
ॐ नमो भगवते चित्रगुप्ताय।
ॐ नमो भगवते इष्टदेवाय।

भगवान चित्रगुप्त की धातु की मूर्ति। दछिना: ₹ 1500/- मात्र

सनातन चित्रगुप्त झंडा
यहां प्राप्त करें।
दछिना: ₹ 120/-प्रति एक

JB चित्रगुप्त मन्दिर ट्रस्ट, लखनऊ
सनातन को समर्पित संस्था

पंजीकृत कार्यालय: 4/724, विकास नगर, लखनऊ
मो०: 9336703612, 9305421822,
ईमेल: adv4deepak@gmail.com

आयकर अधिनियम 1956 धारा80जी अर्न्तगत छूट अनुमन्य

Balance Sheet, Prabhu Sewa Parivar for the Year Ended 31 Mar 2022

PRABHU SEWA PARIVAR
GREATER NOIDA

Balance Sheet
as on 31.03.2022

Amount in Rs.

Liabilities	Note No	As on 31.03.2022	Assets	Note No	As on 31.03.2022
Trust Fund & Corpus					
Balance as per last Balance Sheet			**Current Assets**		
Additional : During the Year	1	125,100	Cash in Hand	3	14,922
			Bank A/c	3	120,788
Income & Expenditure Account					
Balance as per Balance Sheet					
(Add):- Surplus (as per Income & Expenditure Account		10,610			
(Less):- Deficit					
Total		135,710	**Total**		135,710

KUMAR ABHAY & CO
Abhay Kumar
ABHAY KUMAR
Membership Number: 541717
Kumar Abhay & Company
Chartered Accountants
Firm Registration Number: 025759C
UDIN: 22541717AQZJSB5887
Place: Muzaffarpur
Date: 05/09/2022

Proprietor

PRABHU SEWA PARIVAR Regd. No. 1537/2021 Greater Noida

For and On Behalf of
PRABHU SEWA PARIVAR
SATISH SRIVASTAVA
(President)

PRABHU SEWA PARIVAR
GREATER NOIDA

Income & Expenditure Account
for the year ended on 31st March 2022

Amount in Rs.

Expenditure	Note No	As on 31.03.2022	Income	Note No	As on 31.03.2022
			Interest received on Fixed Deposits		
Bank Charges		90	Donation received	2	695,9[illegible]
Office Expenses		5,500	Interest received	4	1,8[illegible]
Printing & Stationary		2,480			
Accounting Charges		12,000			
Religious trips & Katha Expenses	5	450,000			
Bhandara expenses		65,000			
Broadcasting Expenses		150,000			
Telephone Exp.		2,100			
Excess of Income Over Expenditure		10,610			
Grand Total		697,780	**Grand Total**		697,78[illegible]

KUMAR ABHAY & CO
Abhay Kumar
ABHAY KUMAR
Membership Number: 541717
Kumar Abhay & Company
Chartered Accountants
Firm Registration Number: 025759C
UDIN: 22541717AQZJSB5887
Place: Muzaffarpur
Date: 05/09/2022

Proprietor

PRABHU SEWA PARIVAR Regd. No. 1537/2021 Greater Noida

For and On Behalf of
PRABHU SEWA PARIVAR
SATISH SRIVASTAVA
(President)

PRABHU SEWA PARIVAR
GREATER NOIDA

Statement of Receipts & Payments
for the year ended on 31.03.2022

Receipts	Note No	As on 31.03.2022	Payments	Note No	As on 31.03.2022
Opening Balances as on [illegible]					
Cash in Hand		0	Bank Charges		90
Bank		0	Office Expenses		5,500
			Accounting Charges		12,000
			Religious trips & Katha Expenses	5	450,000
			Bhandara expenses		65,000
Corpus Fund	1	125,100	Broadcasting Expenses		150,000
Donation Received	2	695,900	Telephone Exp.		2,100
			Printing & Stationery		2,480
Interest Exp.	4	1,880			
			Closing Balances as on 31.03.2022		
			Cash in Hand	3	14,922
			Bank	3	120,788
Grand Total		822,880	**Grand Total**		822,880

KUMAR ABHAY & CO
Abhay Kumar
ABHAY KUMAR
Membership Number: 541717
Kumar Abhay & Company
Chartered Accountants
Firm Registration Number: 025759C
UDIN: 22541717AQZJSB5887
Place: Muzaffarpur
Date: 05/09/2022

Proprietor

PRABHU SEWA PARIVAR Regd. No. 1537/2021 Greater Noida

For and On Behalf of
PRABHU SEWA PARIVAR
SATISH SRIVASTAVA
(President)

Note-1

Corpus Fund (net of Reserve & Surplus)	As on 31.03.2022
Abhishek Srivastava	1,100
Anju Srivastava	11,000
Satish Srivastava	11,000
Introduced during the year	
Anju Srivastava	51,000
Satish Srivastava	51,000
Grand Total	**125,100**

Note-2

Funds Received Donation	As on 31.03.2022
Donation Received	677,300
Membership Fees	18,600
Grand Total	**695,900**

Note-3

Cash & Bank Balances	As on 31.03.2022
Cash in Hand	14,922
Canara Bank	120,788
Grand Total	**135,710**

Note-4

Indirect Exp	As on 31.03.2022
Bank Interest	1,880
Grand Total	**1,880**

Note-5

Religious trips & Katha Expenses	As on 31.03.2022
Dwarkapuri - Gujarat	450,000
Grand Total	**450,000**

KUMAR ABHAY & CO
Abhay Kumar
Proprietor

PRABHU SEWA PARIVAR Regd. No. 1537/2021 Greater Noida

PRABHU SEWA PARIVAR
President

मीडिया कवरेज:

प्रभु सेवा परिवार अपनी अध्यात्मिक कथा को टीवी चैनलों (ईश्वर, शुभ टीवी, सुभारती, दिशा) और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से प्रसारित करता है। हम अध्यात्मिक कथाओं की पहुँच बढ़ाने के लिए नए पत्रों में लेख भी प्रकाशित करते हैं। हम अन्य संस्थानों को भी मदद करते हैं, जो धार्मिक कार्यक्रम आयोजित करते हैं। इसके अतिरिक्त विभिन्न कार्यक्रमों को समाचार पत्रों में भी शामिल किया जाता है।

हमारे प्रमुख सोशल मीडिया लिंक और पेज:

https://www.facebook.com/Rameshbhaishukla.official/

https://bit.ly/35Ogi6O

https://www.instagram.com/sant_ramesh_bhai_shukla/?hl=hi

https://twitter.com/rameshramkatha/with_replies

विशेष निवेदन

प्रभु सेवा परिवार के इस स्मारिका के प्रकाशन का यह प्रथम अंक है। यह स्मारिका प्रभु सेवा परिवार के उद्धेश्यों की प्राप्ती में एक अहम् भूमिका निभाएगी। यह हमारे बीच सूचना संचारण, परिवार के विशेष गतिविधियों एवं क्रियाकलापों, उपलब्धियों आदि की जानकारी आप तक पहुँचाने का महत्वपूर्ण कार्य करेगी। इसके प्रकाशन एवं सफलता के लिए आपका सहयोग अपेक्षित है। अतः आप सभी से निवेदन है कि इस स्मारिका के अगले अंक के प्रकाशन के लिए सहयोग राशि, अपने व्यवसाय से संबन्धित विज्ञापन, लेख, कविताएं आदि देने के लिए संपर्क करें:–

सतीश श्रीवास्तव: Mob.: 8808836666, Email: prabhusewaparivar@gmail.com

विशेष आभार

प्रभु सेवा परिवार श्री विनोद कुमार शर्मा जी को उनकी उच्चतम सेवाओं के लिए विशेष आभार प्रकट करता है। इन्होंने प्रभु सेवा परिवार की यात्राओं का संचालन और प्रबंधन अपनी कम्पनी 'श्री जय शिवशक्ति तीर्थ यात्रा कं. (रजि.)' के माध्यम से दक्षतापूर्वक एवं सफलतम तरीके से सम्पन्न किया। आशा करते हैं कि हमें भविष्य में भी हमे अपनी ऐसी सेवायें प्रदान करते रहेंगे। प्रभु सेवा परिवार 'श्री जय शिवशक्ति तीर्थ यात्रा कं. (रजि.)' के सफलता की कामना करता है।

श्री विनोद कुमार शर्मा
मों.: 9414844290
9664254120

श्री गुरुवे नमः

श्री गणेशाय नमः

जय गंगे माँ

भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त, देश भर में ख्याति प्राप्त प्रमाणित एवं प्रशंसित

श्री जय शिवशक्ति तीर्थ यात्रा कं. (रजि.)

वर्धमान नगर, हिण्डौन सिटी

संचालक: विनोद कुमार शर्मा

मो.: 9414844290, 9664254120

मोबाइल पर २४ घन्टे सेवा

।। श्री गणेशाय नमः ।।

प्रभु सेवा परिवार

Regn. No. 1537/2021

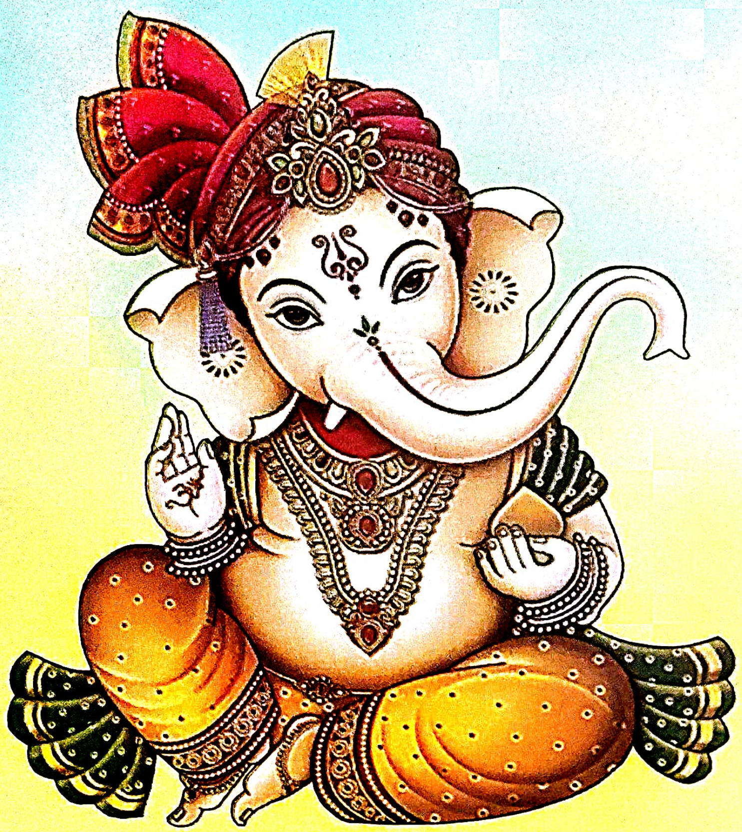

वक्र तुडं महाकाय, सूर्य कोटि समप्रभः ।
निर्विघ्नं कुरु मे देव शुभ कार्येषु सर्वदा ।।

सौजन्य से:

श्री SAAHAS

SAAHAS GROUP OF INDUSTRIES

Product Range

आयोजित धार्मिक यात्रायें

1. श्रीमद् भागवत कथा, द्वारिका पुरी धाम, गुजरात

प्रभु सेवा परिवार ने 24 दिसंम्बर 2021 से 01 जनवरी 2022 तक 8 दिनों की निरन्तर अवधि के लिए द्वारिका पुरी धाम, गुजरात में अपनी पहली श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन किया। कथा को ईश्वर चैनल पर भी लाइव प्रसारित किया गया था। प्रभु सेवा परिवार ने गुजरात के द्वारिका पुरी धाम में आयाजित की जा रही भागवत कथा के बारे में जनता को जागरूक करने के लिए सोशल मिडिया के माध्यम से बड़े पैमाने पर पोस्टर एवं बैनर जारी किए। जनता के लिए पोस्टर के नमूने तथा ईश्वर चैनल पर मीडिया कवरेज की झलक:

2. चार धाम यात्रा उत्तराखण्ड

प्रभु सेवा परिवार ने 19 मई 2022 से 30 मई 2022 तक यमुनोत्री, गंगोत्री, केदारनाथ एवं बद्रीनाथ तक चार धाम यात्रा का आयोजन किया। इस यात्रा के माध्यम से भक्तों ने गुरूजी के साथ धाम में भाग लिया। भक्तों के लिए आवास की व्यवस्था प्रभु सेवा परिवार द्वारा की गई थी। जनता के लिए पोस्टर के नमूने हैं:

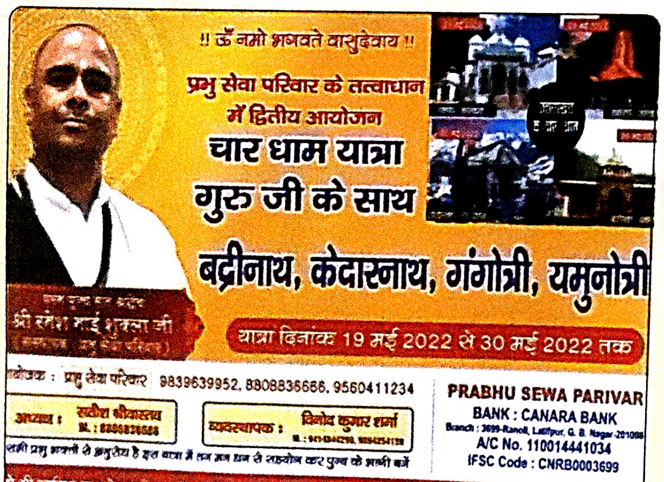

3. लिलुआ, कोलकाता में शिव महापुराण कथा

प्रभु सेवा परिवार ने 18 जुलाई 2022 से 25 जुलाई 2022 तक कोलकाता के लिलुआ में शिव महापुराण का भी किया और इसे सुभारती चैनल पर डिजिटल रूप से प्रसारित किया गया।

सुभारती चैनल पर डी–लाइव प्रसारण की कुछ झलकियां हैं:

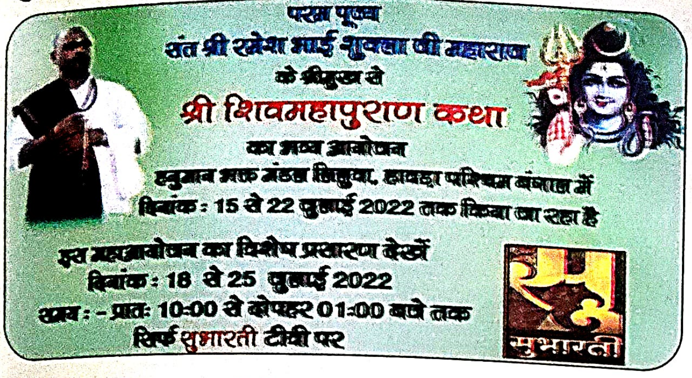

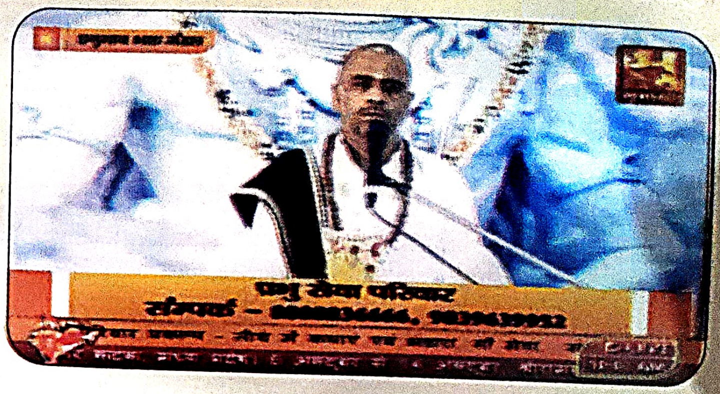

4. गत वर्ष में आयोजित अन्य कथाओं का विवरण

क्र.सं.	दिनांक	स्थान
1	24 दिसम्बर 2021 से 02 जनवरी 2022	द्वारिकापुरी, गुजरात
2	22 जनवरी 2022 से 26 जनवरी 2022	लखनऊ, उत्तर प्रदेश
3	11 फरवरी 2022 से 17 फरवरी 2022	चित्रकूट, मध्यप्रदेश
4	22 फरवरी 2022 से 03 मार्च 2022	इटावा, उत्तर प्रदेश
5	03 मार्च 2022 से 10 मार्च 2022	भिवानी, हरयाणा
6	24 मार्च 2022 से 01 अप्रैल 2022	कोपागंज, मऊ
7	02 अप्रैल 2022 से 10 अप्रैल 2022	सीतापुर, उत्तर प्रदेश
8	21 अप्रैल 2022 से 28 अप्रैल 2022	हमीरपुर, हिमाचल प्रदेश
9	09 मई 2022 से 17 मई 2022	पटियाला, पंजाब
10	19 मई 2022 से 31 मई 2022	चार धाम यात्रा, उत्तराखण्ड
11	12 जून 2022 से 18 जून 2022	लखीमपुर, उत्तर प्रदेश
12	20 जून 2022 से 30 जून 2022	बैंगलौर, कर्नाटक
13	02 जुलाई 2022 से 05 जुलाई 2022	पशुपति नाथ, नेपाल यात्रा
14	08 जुलाई 2022 से 13 जुलाई 2022	गुरू पूर्णिमा, लखनऊ
15	18 जुलाई 2022 से 25 जुलाई 2022	लिलुवा, कोलकाता
16	27 जुलाई 2022 से 04 अगस्त 2022	अजमेर, उत्तर प्रदेश
17	05 अगस्त 2022 से 14 अगस्त 2022	सेक्टर 46, चंडीगढ़
18	15 अगस्त 2022 से 22 अगस्त 2022	सेक्टर 30बी, चंडीगढ़
19	25 अगस्त 2022 से 02 सितंबर 2022	टनकनपुर, उत्तराखण्ड
20	04 सितंबर 2022 से 14 सितंबर 2022	लखनऊ, उत्तर प्रदेश

आगामी यात्राऐं

चार धाम और द्वारिका पुरी धाम की हमारी सफल यात्रा के बाद ट्रस्ट दक्षिण भारत यात्रा और राम कथा की यात्रा का आयोजन कर रहा है। यात्रा 24 दिसंबर 2022 से शुरू होकर 07 जनवरी 2023 तक चलेगी। यात्रा निम्नलिखित पवित्र स्थानों को कवर करेगी:

क्र०सं०	स्थान	दिनांक
1	मल्लिकार्जुन ज्योर्तिलिंग	26 दिसम्बर 2022
2	तिरूपति बालाजी	27 दिसम्बर 2022
3	स्वर्ण मंदिर वैल्लूर और कांचीपुरम दर्शन	28 दिसम्बर 2022
4	रामेश्वरम स्वामी ज्योर्तिलिंग	29 दिसम्बर 2022 – 02 जनवरी 2023
5	मीनाक्षी मंदिर	03 जनवरी 2023
6	कन्याकुमारी और विवेकानन्द शिला स्मारक	04 जनवरी 2023
7	पद्मनाभ स्वामी मंदिर	05 जनवरी 2023

इसके अलावा सावन 2023 के महीने में गुरू पूर्णिमा के अवसर पर, अयोध्या में 02 जुलाई 2023 से 10 जुलाई 2023 तक राम कथा का आयोजन किया जाएगा। गुरुजी निम्नलिखित योजना के अनुसार विभिन्न स्थानों पर अपनी कथा का संचालन करेंगे। ऐसी कथाओं में शामिल होने के इच्छुक भक्त इन स्थानों की यात्रा कर सकते हैं।

क्र०सं०	दिनांक	स्थान
1	26 सितंबर 2022 से 04 अक्टूबर 2022	पचौरा, मध्यप्रदेश
2	05 अक्टूबर 2022 से 13 अक्टूबर 2022	महेबा इटावा, उत्तर प्रदेश
3	14 अक्टूबर 2022 से 22 अक्टूबर 2022	अयोध्या, उत्तर प्रदेश
4	27 अक्टूबर 2022 से 04 नवंबर 2022	लखनऊ, उत्तर प्रदेश
5	05 नवंबर 2022 से 13 नवंबर 2022	लखनऊ, उत्तर प्रदेश
6	17 नवंबर 2022 से 25 नवंबर 2022	प्रयाग, उत्तर प्रदेश
7	26 नवंबर 2022 से 02 दिसंबर 2022	सीतापुर, उत्तर प्रदेश
8	03 दिसंबर 2022 से 11 दिसंबर 2022	चित्रकूट मध्य प्रदेश
9	13 दिसंबर 2022 से 20 दिसंबर 2022	गोरखपुर शहर, उत्तर प्रदेश
10	24 दिसंबर 2022 से 07 जनवरी 2023	दक्षिण भारत यात्रा
11	08 जनवरी 2023 से 16 जनवरी 2023	रायपुर, छत्तीसगढ़
12	18 जनवरी 2023 से 26 जनवरी 2023	हरिद्वार, उत्तराखण्ड
13	29 जनवरी 2023 से 06 फरवरी 2023	प्रयाग, उत्तर प्रदेश
14	10 फरवरी 2023 से 18 फरवरी 2023	छत्तीसगढ़
15	19 फरवरी 2023 से 23 फरवरी 2023	शिमला, हिमाचल प्रदेश

हमारे सदस्यगण

प्रभु सेवा परिवार ने अपने उद्देश्य के प्रचार के लिए कई सदस्य बनाए हैं। स्थापना के पहले वर्ष में ही ट्रस्ट ने 27 सदस्यों को ट्रस्ट के साथ जोड़ने में सक्षम रहा। सदस्यों के विवरण इस प्रकार हैं:–

श्री सतीश श्रीवास्तव
सदस्य आईडी: 1009

श्रीमती अंजू श्रीवास्तव
सदस्य आईडी: 1010

श्री अभिषेक श्रीवास्तव
सदस्य आईडी: 1011

श्री अरूण कुमार शुक्ला
सदस्य आईडी: 1012

श्री भूपेंद्र गुप्ता
सदस्य आईडी: 1013

श्री राकेश अग्रवाल
सदस्य आईडी: 1014

श्री सत्येंद्र कु० श्रीवास्तव
सदस्य आईडी: 1015

श्री निरंजन कु० अग्रवाल
सदस्य आईडी: 1016

श्री ललित प्र० जोशी
सदस्य आईडी: 1017

श्री ओम प्रकाश पान्डेय
सदस्य आईडी: 1018

श्री बलदाऊ जी श्रीवास्तव
सदस्य आईडी: 10119

श्री शिवपूजन लाल श्रीवास्तव
सदस्य आईडी: 1020

श्री विष्णु शंकर दूबे
सदस्य आईडी: 1021

श्री संदीप सिंह
सदस्य आईडी: 1022

श्री संजय कु० उपाध्याय
सदस्य आईडी: 1023

श्री जितेंद्र कु० उपाध्याय
सदस्य आईडी: 1024

श्री अरविंद श्रीवास्तव
सदस्य आईडी: 1025

श्री बालमुकुंद पाण्डेय
सदस्य आईडी: 1026

श्री रमेश कुमार दीक्षित
सदस्य आईडी: 1027

श्रीमती इति अग्रवाल
सदस्य आईडी: 1028

श्री जानकी प्रसाद माहेश्वरी
सदस्य आईडी: 1029

श्री बी० बी० लाल
सदस्य आईडी: 1030

श्री आर० पी० पाण्डेय
सदस्य आईडी: 1031

श्री ए० एन० लाल श्रीवास्तव
सदस्य आईडी: 1032

श्री ईश्वर शरण मिश्रा
सदस्य आईडी: 1033

श्री विनोद शर्मा
सदस्य आईडी: 1034

श्री आशुतोष श्रीवास्तव
सदस्य आईडी: 1035